Shree Ram Sharnam,
International Spiritual Centre
8A, Ring Road, Lajpat Nagar - IV,
New Delhi - 110 024, INDIA

जिसे देखता हुँ, वही रूप तेरा
जिसे देखता हूँ, वही रूप तेरा,
कि हरएक में तू समाया हुआ है ॥
जिसे देखता हूँ ...

ये दुनिया है तेरे ही हाथों का जादू,
ये काटे नुकीले, ये फूलों में खुशबू,
सुखी जन का हँसना, दु:खी मन के आँसू,
ग़ज़ब राम नक्शा बनाया हुआ है ॥
जिसे देखता हूँ ...

कही□पे तू धनवान बन, राज भो□गे,
कही□दीन म□हताज़ है चीथड़ों के,
कही□बिक रहा म□ल तू कौड़ियों के,
कही□लाख साधन से पाया हुआ है ॥
जिसे देखता हूँ ...

कही□पे तू माँ बाप भाई है भगवन,
कही□पे पति पत्नी प्यारों के बन्धन,
कही□द□स्त है तू, कही□जानी दुश्मन,
ज़हर और अमृत मिलाया हुआ है ॥
जिसे देखता हूँ ...

कही□पे बुढ़ापा, लड़कपन जवानी,
हज़ारों शक़ल में तू है ज़िन्दगानी,
ये 'निर्दोष' तेरी अमर है कहानी,
कही□अन्त तेरा न आया हुआ है ॥
जिसे देखता हूँ ...